मेरे बदन की कामुकता का इलाज

“मैं चाहती हूँ कि कोई मेरा साथी हो जो मेरे तन को नहीं मन को प्यार करे। ऐसा कोई मिले तो तन मैं उसको खुद दे दूँ। कामुकता मुझमें भी बहुत है। …”

Story By: (varindersingh)
Posted: बुधवार, नवम्बर 15th, 2017
Categories: ऑफिस सेक्स
Online version: मेरे बदन की कामुकता का इलाज

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरे बदन की कामुकता का इलाज

मेरा नाम ममता है, मैं 49 साल की हूँ, शरीर से भारी हूँ और एक साधारण से चेहरे मोहरे वाली औरत हूँ, अकेली रहती हूँ, एक ऑफिस में काम करती हूँ। ऑफिस के बहुत से लोग मुझ पर लाइन मारते हैं, मगर मुझे पता है कि ये सब सिर्फ मेरे तन के दीवाने हैं, मेरे मन से किसी को कोई मतलब नहीं.

क्योंकि अकेली रहती हूँ इसलिए मैं भी चाहती थी कि कोई मेरा ऐसा साथी हो जो मेरे तन को नहीं मन को प्यार करे। अगर कोई मन को प्यार करने वाला मिल जाता तो तन मैं उसको खुद ही दे देती। सेक्स की चाह कामुकता मुझमें भी बहुत है, मैं भी चाहती हूँ कि कोई ऐसा मर्द हो जो मुझे काबू करे और धर के मुझे पेले।
मगर ऐसा कोई मिला ही नहीं, जितने भी मिले सब के सब चोदू यार मिले, दो चार बार मेरी चुदाई कर के सब भाग गए।

अब जिस औरत ने मर्द का साथ भोगा हो, वो फिर बिना मर्द के कैसे रह सकती है। मेरी हालत भी यही थी, मैं भी रातों को अकेले बिस्तर पे पड़ी अपनी कामुकता से तड़पती थी। अक्सर रात को मैं सोते हुये अपने सारे कपड़े उतार देती, अपने कमरे को अंदर से बंद करके कितनी कितनी देर मैं रूम में नंगी घूमती रहती। जिस दिन बच्चे घर न होते, तो मैं अपने सारे घर में नंगी होकर घूमती। जब चूत में आग ज़्यादा लगती तो कभी गाजर, कभी मूली कभी कुछ कभी कुछ अपनी चूत में लेकर अपनी चूत को ठंडा करती। ज़्यादातर तो अपनी चूत का दाना अपनी उंगलियों से मसलती, अपनी दो तीन उंगलियाँ अपनी अपनी चूत में डालती, हस्तमैथुन करती, खुद अपने बोबों को दबाती, निप्पल चूसती… मगर संतुष्टि न मिलती।

ऑफिस जो लोग मेरे पास काम करवाने आते उनके बारे में सोचती ‘इस साले की पैन्ट में

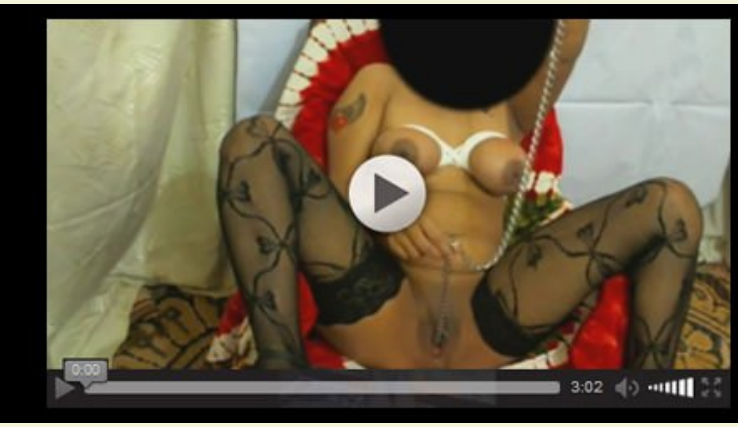

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भी लंड लटक रहा होगा। क्या अच्छा हो अगर ये मुझसे पूछे ‘मैडम आप मेरा लंड चूसना पसंद करेंगी ?’ मैं झट से कहूँ ‘हाँ हाँ, निकालो, मुझे चूसना है।’
मगर ऐसा कहाँ होता है।

हस्तमैथुन हर रोज़ नहीं तो हर दूसरे दिन तो मैं करती ही थी, क्योंकि मेरे पास अपनी संतुष्टि का और कोई साधन नहीं था।
तो जैसे सावन के अंधे को हरा ही हरा दिखता है, मुझे तो अपने सब तरफ लंड ही लंड दिखते है।

मेरे भांजे की शादी हुई, मैं वहाँ गई, शादी के दो रोज़ बाद सभी रस्मों के बाद जब उसकी सुहागरात आई, तो सच कहती हूँ, उस रात मुझे नींद नहीं आई। मैं लेटी सोचती रही, अब वो अपनी बीवी की साड़ी उतार रहा होगा, अब उसने ब्लाउज़ के बटन खोले होंगे और ब्रा में छुपे उसके छोटे छोटे गोरे गोरे बोबे देख रहा होगा, दबा रहा होगा। फिर उसने उसका पेटीकोट का नाड़ा खोला होगा,
उसकी जांघों पर हाथ फेर कर उसकी चड्डी भी उतार दी होगी। फिर उसने अपने कपड़े उतारे होंगे और बिल्कुल नंगा हो कर अपना तना हुआ लंड उसने अपने नई नवेली दुल्हन को दिखाया होगा।
क्या वो उसका लंड चूसेगी, नहीं चूसती तो कोई बात नहीं, मैं चूस लूँगी।
क्या सच में आज वो अपनी बीवी को चोद देगा ?
मुझे चोद दे राजा, मैं भी तो प्यासी हूँ।
मगर मेरी चिंता किसे थी… मेरी सज धज, बनाव शृंगार, किसी मर्द ने नहीं देखे। सब अपनी बीवी में और सुंदर औरतों को ताकने में लगे थे। मैं प्यासी गई और प्यासी ही वापिस आई।

फिर मेरा तबादला दूसरे दफ्तर में हो गया, वो काफी बड़ा दफ्तर था, और उसमें बहुत से

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लोग काम करते हैं। कुछ दिनों में ही वहाँ के सब स्टाफ से मेरी जान पहचान हो गई। मगर यहाँ भी कई बहुत सुंदर औरतें काम करती थी, और मर्द लोग उनको भी ज्यादा भाव देते थे।

मगर एक आदमी उनमे ऐसा था, जो मुझे भी देखता था, और मुझसे भी बड़े प्यार से बात करता था, उसका नाम था वरिंदर, सब उसे वीरू कह कर ही बुलाते थे।
मैंने भी जब वीरू जी कहा तो वो बोला- वीरू जी नहीं, सिर्फ वीरू, सिर्फ एक कुलीग, एक दोस्त।

थोड़े ही दिनों में हमने अपने फोन नंबर एक दूसरे से शेयर किए, व्हाट्सप से भी जुड़ गए। धीरे धीरे हमारी दोस्ती बढ़ने लगी, हंसी मज़ाक से भी आगे, उसने मेरी ज़िंदगी की हार बात जान ली, यहाँ तक अपनी कामुक इच्छाएँ भी मैंने उसको बता दी।

एक रात करीब 12 बजे मैं हस्तमैथुन करके बाथरूम से बाहर आई, तभी मेरा फोन बजा, उसका मेसेज आया- अभी तक जाग रही हो ?
मैंने लिखा- क्या करूँ, नींद नहीं आ रही।
उसने लिखा- तो कुछ करो ऐसा कि नींद आ जाए।
मुझे लगा कि यह आदमी गलत ट्रैक पर जा रहा है, मैंने लिखा- क्या करूँ ?
जवाब तो मुझे पता था।

उसका मेसेज आया- हाथ से कर लो।
मुझे पहले तो बहुत बुरा लगा, मगर फिर सोचा, बात तो गलत नहीं कही है इसने। और इतनी हिम्मत से कही है, तो मैंने लिख डाला- हाथ से मज़ा नहीं आता।
सोचा कि देखूँ ये क्या लिखता है।
उसने लिख भेजा- मैं आ जाऊँ।
मैंने लिखा- कहीं हार तो नहीं जाओगे ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसने लिख भेजा- मौका तो दो।

अब तो बात बहुत आगे बढ़ चुकी थी, मैंने लिखा- दिया मौका।
उसने लिखा- कब ?
मैंने लिखा- अगले शनिवार, बाद दोपहर।

अगले दिन जब हम ऑफिस में मिले तो ऐसे मिले जैसे कोई गर्ल फ्रेंड या बॉय फ्रेंड मिलते हों। अगर देखा जाए तो मैं उससे पट चुकी थी। पहले हम नमस्ते करते थे पर आज हमने हाथ मिलाये। और बातों के साथ साथ रात को हुई चैट के बारे में भी बात हुई और शनिवार का प्रोग्राम मैंने उसको पक्का कर दिया।

शनिवार 3 बजे वो मेरे घर आया, हाथ में कोई गिफ्ट भी था। घर में कोई नहीं था, अंदर घुसते ही उसने मुझे अपनी बाहों में भर लिया।

मैं थोड़ा आश्चर्यचकित सी हुई, पर उसने तो आगे बढ़ कर मेरे होंठों को ही चूम लिया। मैं भी खुशी से चहक उठी.
“अरे इतनी बेसबरी, पहले बैठो तो !” मैंने कहा।
वो बोला- अरे यार, अब सब्र हो नहीं रहा। बहुत बेचैन हूँ मैं !
कह कर उसने एक और चुम्बन मेरे होंठों का लिया।

मैंने उसे अपने से थोड़ा अलग किया और किचन में चाय बनाने चली गई, वो भी मेरे पीछे पीछे किचन में ही आ गया।
मैंने कहा- अरे तुम यहाँ, आ जाओ.
वो आ कर मेरे पास किचन की शेल्फ पर ही बैठ गया।

मैंने पूछा- वीरू, ये बताओ कि तुम्हें मुझमें क्या अच्छा लगा ? सुंदर तो मैं हूँ नहीं।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वो बोला- सुंदरता तन की नहीं मन की होती है, तुम मन से साफ हो, दिल में किसी के लिए कोई बुरा नहीं सोचती। बस यही चीज़ मुझे अच्छी लगी।
मैंने कहा- पर तुमने मेरा दिल कहाँ देख लिया।
वो बोला- ये देखो, इतना बड़ा दिल तो है तुम्हारा!
कह कर उसने अपना हाथ पूरा फैला कर मेरे बोबे पर रखा और पकड़ कर दबा दिया।

मेरे तो बदन में सनसनी सी दौड़ गई। कितने अरसे बाद मुझे किसी मर्द ने स्पर्श किया था। मैं तो जैसे बुत ही बन गई।
वो उठ कर मेरे पीछे आया और मुझे अपनी बाहों में ले लिया और मेरे कुर्ते के बटन खोलने लगा। मैं उसको रोक ही नहीं पाई। उसने मेरे सारे बटन खोल कर अपना हाथ अंदर डाला और मेरा बोबा पकड़ लिया।
“ओह ममता, कितना मुलायम है तुम्हारा बोबा!” वो बोला।
मेरी आँखें बंद हो गई, पर-पुरुष के स्पर्श को पाकर मैं अति आनन्दित हो रही थी।

फिर उसने मेरा कुर्ता ऊपर उठाया और मेरी गर्दन के आस पास चूमते हुये उतारने लगा और मैं किसी मशीन की तरह उसका हुकुम मानते हुये अपने हाथ ऊपर उठा कर उसका सहयोग करने लगी.
मेरा कुर्ता उसने उतार के एक तरफ रख दिया, मैं सिर्फ ब्रा और सलवार में खड़ी थी। चाय उबल चुकी थी। उसने मेरी ब्रा भी खोल दी, मेरे कंधों को चूमते हुये, मेरे कानों में सेक्सी सेक्सी सिसकारियाँ सी भरते हुये उसने मेरी सलवार का नाड़ा खोला और जब मेरी सलवार नीचे गिरी तो मैं एकदम नंगी हो गई उसके सामने। चड्डी मैंने पहनी नहीं थी।

मैं उसको रोक ही नहीं पा रही थी।
मुझे नंगी करके वो बोला- अब चाय लेकर आओ, बैठ कर चाय पीते हैं।
मैंने चाय दो कपों में डाली, एक प्लेट में बिस्किट रखे और जब ड्राइंग रूम गई, तो वहाँ वो

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

भी अपनी जीन्स टी शर्ट उतार कर पूरा नंगा हुआ बैठा था, 6 इंच पूरा तना हुआ उसका लंड उसके पेट से लगा हुआ था।

मैं जाकर चाय वाली ट्रे टेबल पर रखी, और सोफ़े पर उसके पास ही बैठ गई, तो वो और खिसक कर मेरे पास आ गया और बिल्कुल मेरे साथ सट कर बैठ गया। दो नंगे बदन आपस में जुड़े तो मुझे बड़ी हरारत सी हुई। मैंने उसके लंड की ओर देखा, वो बोला- तेरा ही है जानेमन, चाय के बाद इसे ही खाना।
उसने मेरा हाथ पकड़ा और अपना लंड मेरे हाथ में पकड़ा दिया।

उसने चाय का कप उठाया और चाय पीने लगा, मुझे भी चाय पीने को कहा। मैंने चाय का कप उठा तो लिया मगर मुझ से चाय नहीं पी जा रही थी। हाथ में पकड़े उसका लंड जैसे तरंगें निकल कर मेरे सारे बदन में जा रही थी।
“इतनी चुप क्यों हो ?” वीरू ने पूछा।
मैं बोल नहीं पाई, मैंने चाय का कप टेबल पे रखा, और नीचे झुक कर उसका लंड अपने मुँह मे ले लिया। मैं और सब्र नहीं कर सकी। आह… नमकीन सी गंध और स्वाद मेरी साँसों में, मेरी ज़ुबान पर आया, चाट गई मैं उसके लंड को।

“क्या हुआ, मुझे सब्र सिखाने वाली खुद बेसबरी हो रही है ?” कहते हुये वीरू ने मेरे बोबे पकड़ लिये और दबाने लगा। चाय का आधा कप उसने भी रख दिया और सोफ़े पर ही लेट गया।
“सिर्फ लंड मत चूस, मेरे आँड भी चाट” वो बोला।

मैंने उसका लंड अपने हाथ में पकड़ा और उसके आँड को अपने मुँह में लेकर चूसने लगी। पूरा पूरा आँड मैं उसका अपने मुँह में चूस लेती और अपनी जीभ से चाटती।
फिर वो बोला- अब आँड और गांड के बीच में जो थोड़ी सी जगह है, उसे चाट।
मैंने दूसरे हाथ से उसके आँड ऊपर को उठाए और आँड के नीचे भी अपनी जीभ से चाट

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गई।
“आह…” वीरू के मुँह से निकला- कितना मज़ेदार चाटती हो तुम, और चाटो, अच्छी तरह से जीभ फिराओ।
मैंने पूरी शिद्दत से उसके गुप्तांगों को चाटा।

फिर वो बोला- ममता, मेरी गांड भी चाट जा!
मैं कैसे मना कर सकती थी, मैंने उसके दोनों चूतड़ खोले और उसकी गांड को अपनी जीभ से चाट गई, मुझ पर काम इतना चढ़ा था कि अगर वो अपना पेशाब भी पिलाता तो मैं पी जाती।

थोड़ी सी गांड चटाई के बाद वो उठा मुझे भी हाथ पकड़ कर उठाया और मेरे बेडरूम में ले गया। बेड पे मुझे लेटा कर वो मेरे ऊपर उल्टा लेट गया। मैं बिना उसके कहे उसका लंड और आँड चाटने लगी।
उसने अपने एक हाथ की उंगली मेरी चूत में डाली और दूसरे हाथ से मेरी चूत का दाना मसलने लगा। मेरी चूत तो पहले ही पानी छोड़ छोड़ कर पागल हुई पड़ी थी। उसके छूने से और भी पानी पानी हो गई।

पहले उसने एक उंगली मेरी चूत में डाली, फिर दो, फिर तीन और फिर अपनी चार उंगलियाँ इकट्ठी करके मेरी चूत में डाली। इतना ही बस नहीं, वो उंगलियों को आगे पीछे चला रहा था। चार उंगलियों के बाद उसकी इच्छा थी कि वो अपना हाथ भी मेरी चूत में घुसा दे, मगर इतनी खुली चूत नहीं थी मेरी मगर इतनी बर्दाश्त भी नहीं थी मेरी।
उसके हाथ मेरे अंदर डालने से मैं तो तड़प उठी, अपनी जांघें कस कर भींच ली और उसके लंड को अपने मुँह के अंदर तक चूस कर खींच गई, इतना अंदर कि उसका लंड मेरे गले में उतर गया और मेरी सांस भी बंद होने लगी, मगर मैं नहीं रुकी।
जब मेरा पानी निकल गया, मेरी चूत स्खलित हो गई, तब मैंने उसका लंड अपने मुँह से

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बाहर निकाला।

वीरू बोला- अरे तुम तो बहुत जल्दी स्खलित हो गई ?
मैंने कहा- अब सालों बाद लंड देखने को मिला तो मैं कैसे कायम रहती, बस थोड़े से समय में ही झड़ गई।

मैं शांत हो कर लेट गई, तो वीरू भी मेरी छाती पर चढ़ कर बैठ गया, मेरे दोनों बोबों के बीच अपना लंड रख कर मेरी छाती चोदने लगा। लंड का घस्सा मारता तो उसका लंड आकर मेरी ठोड़ी से लगता। मैंने अपना चेहरा थोड़ा नीचे किया, अब जब उसका लंड आगे आता तो मेरे होंठों को लगता, जिसे कभी मैं चूमती, कभी अपनी जीभ से चाटती।

कितनी देर वो मेरे बदन से ऐसे ही खेलता रहा, फिर बोला- मोहतरमा, अगर आप की इजाजत हो तो क्या मैं आपकी चूत को चोद सकता हूँ ?
मैं हंस पड़ी- बिल्कुल, मुझे भी आपका ये लंड अपनी चूत में लेकर खुशी होगी.
मैंने कहा।

उसने मेरी टाँगें खोल कर अपना लंड मेरी चूत में डाला। एक ही बार में उसने अपना पूरा लंड मेरी चूत में अंदर तक उतार दिया।
बड़ा चैन मिला दिल को… ऐसे लगा उसका लंड मेरे जिस्म में मेरे दिल तक ही आ गया।
मैंने आनन्द में अपनी आँखें बंद कर ली।
वो अपनी कमर चलाने लगा, मैं नीचे लेटी उसके बदन को सहलाती रही। कभी उसकी कमर को सहलाती, कभी उसके कंधों को, कभी उसके सीने पर हाथ घुमाती, कभी उसके चूतड़ों को अपनी और खींचती कि ‘और डाल, पूरा डाल मेरे अंदर।’

अपने ही अंदाज़ में वो आराम आराम से मुझे चोद रहा था और मैं नीचे से अपनी चूत से पानी पे पानी छोड़ रही थी। इतना पानी आज तक मैंने कभी हस्तमैथुन में भी नहीं छोड़ा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

था।
उसने कई बार अपना लंड मेरी चूत से निकाल कर कपड़े से साफ किया मगर थोड़ी सी देर में ही फिर पिच पिच हो जाती।

5 मिनट की चुदाई के बाद मैंने कहा- वीरू जल्दी करो, मैं फिर से आने वाली हूँ।
वो बोला- मैं भी झड़ने वाला हूँ।
उसने अपनी स्पीड बढ़ा दी, 2 मिनट की जोरदार चुदाई के बाद जैसे ही मेरा बदन अकड़ा, वो भी तड़प उठा, पूरी ताकत से उसने अपनी कमर मेरी कमर पे मारी, धाड़ धाड़, पिचक पिचक के बीच में उसने अपना सारा गर्म वीर्य मेरी चूत में ही गिरा दिया।

हम काम में इतने बह गए कि मैं उससे कह ही नहीं सकी कि अपना माल बाहर गिराना।
झड़ने के बाद वो मेरे ऊपर ही गिर गया। कितनी देर वो लेटा रहा।

फिर हम उठे और वो बोला- साली चाय तो पिला दे, पहले वाली तो बीच में ही छुड़वा दी, इस बार तो पूरी पिला दे।
मैं उठ कर चाय बनाने चली गई। मगर मेरा बदन ऐसा हल्का हो चुका था, बढ़िया चुदाई के बाद जैसे तन मन से सारा बोझ ही उतर गया हो, बिल्कुल फ्रेश और हल्की महसूस कर थी, और बहुत ही खुश भी।
लेकिन एक चीज जो मेरी कम नहीं हुई बल्कि और बढ़ गयी वो है मेरी कामुकता…

दोस्तो, कामुकता भरी मेरी चुदाई कहानी कैसी लगी ?
alberto62lopez@gmail.com

इससे आगे की कहानी का मजा लें: मेरी कामुकता का राज-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Urdu Sex Stories

URL: www.urduxstories.com **Average traffic per day:** 6 000 GA sessions **Site language:** Urdu **Site type:** Story **Target country:** Pakistan Daily updated Pakistani sex stories & hot sex fantasies.

Suck Sex

URL: www.sucksex.com **Average traffic per day:** 250 000 GA sessions **Site language:** English, Hindi, Tamil, Telugu, Marathi, Malayalam, Gujarati, Bengali, Kannada, Punjabi, Urdu **Site type:** Mixed **Target country:** India The Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action.

Indian Pink Girls

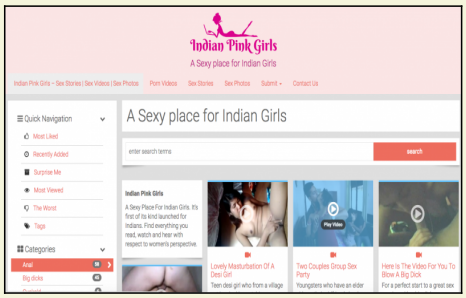

URL: www.indianpinkgirls.com **Average traffic per day:** New site **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India A Sexy Place for Indian Girls. It's first of it's kind launched for Indians. Find everything you read, watch and hear with respect to the women's perspective.

Pinay Video Scandals

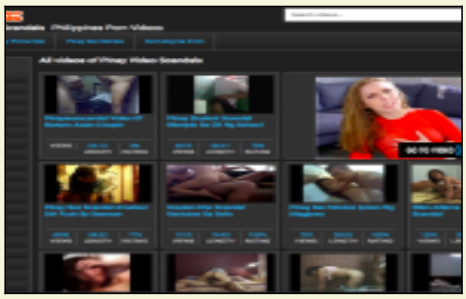

URL: www.pinayvideoscandals.com **Average traffic per day:** 22 000 GA sessions **Site language:** Filipino **Site type:** Video and story **Target country:** Philippines Watch latest Pinay sex scandals and read Pinay sex stories for free.

Malayalam Sex Stories

URL: www.malayalamsexstories.com **Average traffic per day:** 12 000 GA sessions **Site language:** Malayalam **Site type:** Story **Target country:** India The best collection of Malayalam sex stories.

Kama Kathalu

URL: www.kamakathalu.com **Average traffic per day:** 27 000 GA sessions **Site language:** Telugu **Site type:** Story **Target country:** India Daily updated Telugu sex stories.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire